छत्तीसगढ़ शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
::मंत्रालय::
महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर–492002

क्रमांक एफ 10–11/2019/1/5 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 18 नवंबर, 2019

प्रति,

शासन के समस्त विभाग,
अध्यक्ष, राजस्व मंडल, छ0ग0 बिलासपुर,
समस्त विभागाध्यक्ष,
समस्त संभागायुक्त,
समस्त कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी,
छत्तीसगढ़ ।

विषयः– "अरपा पैरी के धार, महानदी हे अपार" को राज्य–गीत घोषित किए जाने के संबंध मे ।

–00–

विभागीय अधिसूचना दिनांक 18/11/2019 द्वारा राज्य शासन डॉ0 नरेन्द्र देव वर्मा द्वारा लिखित छत्तीसगढ़ी गीत **"अरपा पैरी के धार, महानदी हे अपार"** को राज्य गीत घोषित किया गया है । उक्त अधिसूचना की छायाप्रति सुलभ–संदर्भ हेतु संलग्न है ।

2/ आदेशानुसार अनुरोध है कि उक्त राज्य–गीत का गायन सभी शासकीय कार्यक्रमों के प्रारंभ में किया जाना सुनिश्चित करें।

सहपत्रः– उपरोक्तानुसार ।

(आर.पी.राठिया)
उप सचिव,
छत्तीसगढ़ शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग

पृ. क्रमांक एफ 10–11/2019/1/5 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 18 नवंबर, 2019

प्रतिलिपिः–

1. प्रमुख सचिव, छ.ग. शासन मुख्यमंत्री सचिवालय, मंत्रालय नवा रायपुर अटल नगर
2. प्रमुख सचिव, छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय, रायपुर (छ.ग.)
3. सचिव, राज्यपाल, राजभवन सचिवालय, रायपुर,
4. उप सचिव, छ.ग. शासन, मुख्य सचिव कार्यालय, मंत्रालय नवा रायपुर अटल नगर

उप सचिव 18/11/19
छत्तीसगढ़ शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग

"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-05-2001."

पंजीयन क्रमांक
"छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 774]　　रायपुर, सोमवार, दिनांक 18 नवम्बर 2019 — कार्तिक 27, शक 1941

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 18 नवम्बर 2019

अधिसूचना

क्रमांक एफ 10-11/2019/1/5. — राज्य शासन एतद्द्वारा डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा द्वारा लिखित छत्तीसगढ़ी गीत को राज्य गीत घोषित करता है, जो कि निम्नानुसार है :-

"अरपा पइरी के धार महानदी हे अपार,
इन्द्राबती ह पखारय तोर पइँया ।
महूँ पाँव परँव तोर भुइँया,
जय हो जय हो छत्तिसगढ़ मइया ।।
सोहय बिन्दिया सही घाते डोंगरी, पहार
चन्दा सुरूज बने तोर नयना,
सोनहा धाने के संग, लुगरा के हरियर रंग
तोर बोली जइसे सुघर मइना ।
अँचरा तोरे डोलावय पुरवइया ।।
(महूँ पाँव परँव तोर भुइँया, जय हो जय हो छत्तिसगढ़ मइया ।।)
रइगढ़ हाबय सुघर तोरे मँउरे मुकुट
सरगुजा (अऊ) बेलासपुर हे बहियाँ,
रइपुर कनिहा सही घाते सुग्घर फभय
दुरुग, बस्तर सोहय पयजनियाँ,
नाँदगाँवे नवा करधनियाँ
(महूँ पाँव परँव तोर भुइँया, जय हो जय हो छत्तिसगढ़ मइया ।।)

2. उक्त राज्य-गीत अधिसूचना जारी दिनांक से प्रभावशील होगा ।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर.पी.राठिया, उप-सचिव.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय मुद्रणालय, अटल नगर, रायपुर से मुद्रित तथा प्रकाशित - 2019.